कृषि विज्ञान केन्द्र शिकोहपुर द्वारा किसानों की सेवा में त्रैमासिक

# कृषि विज्ञान पत्रिका

वर्ष : 30 अप्रैल–जून 2023 अंक : 2

## मिट्टी एवं पानी की जाँच कराएं मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाएं

1. फसल, सब्जी एवं फूल उत्पादन हेतु 6''–9'' (इन्च) गहरे अंग्रेजी के V आकार के तथा फलोंत्पादन हेतु 2 से 3 फीट गहरे अंग्रेजी के U आकार के गड्ढे बनाकर 10–15 स्थानों से मिट्टी एकत्र करें।

– एकत्र नमूनों की मिट्टी को साफ करके ढेर बनाकर उसे चार भागों में विभाजित करते हैं।

– आमने सामने के दो ढेरों को फेंकने के बाद पुनः मिट्टी मिलाकर उसे चार भागों मे बाँट कर आमने सामने के दो भाग की मिट्टी फेंक देते हैं। यह प्रक्रिया तब तक दोहारायें जब तक लगभग 500 ग्राम मिट्टी शेष न रह जाये।

– मिट्टी को साफ कपड़े की थैली में भरकर एक कागज की पर्ची जिस पर कृषक का नाम व पूरा पता, खेत का नाम/पहचान, सिंचाई के साधन, पीछे बोई गई फसल एवं उसकी किस्म, आगामी फसल व किस्म जिसके लिए जाँच करवानी है आदि का पूरा विवरण अंकित कर कृषि विज्ञान केन्द्र शिकोहपुर में पहुंचायें एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त करें।

### फसल उत्पादन :–

**मूंग :–**

★ ग्रीष्म कालीन मूंग की बुवाई 15 अप्रैल से पहले व खरीफ मूंग की बुवाई जून माह में कर सकते हैं।
★ उन्नत किस्में पूसा विशाल, एस.एम.एल 668, एम.एच. 421 पूसा रत्ना, पूसा मूंग–1431 आदि बोयें ।
★ 6–8 कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ बोयें व NPK जीवाणुखाद से बीज को उपचारित करें ।
★ खेत तैयार करते समय 35 कि.ग्रा. डी.ए.पी. प्रति एकड़ डालें ।
★ पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. व पौधे से पौधे की दूरी 8–10 से.मी. रखें ।
★ बुवाई के 25–30 दिन बाद प्रथम निराई करें ।
★ फलियाँ तोड़ने के बाद पौधों को खेत में ही दबा दें, जिससे अच्छी खाद बन सके।
★ कपास की बुवाई किसान भाई अप्रैल से मई माह में जरुर कर लें। कीटों से सुरक्षा हेतू हमेशा वी.टी. कपास की ही बुवाई करें।

**अरहर :–**

★ पूसा–2001, पूसा–2002, पूसा–991, पूसा–992, पन्त अरहर 421, पंत अरहर–291 आदि किस्मों की बुवाई करें ।
★ पलेवा करने के बाद खेत तैयार करें व जून के प्रथम पखवाड़े में फसल की बुवाई करें ।
★ खेत तैयार करते समय 35–40 कि.ग्रा. डी.ए.पी. प्रति एकड़ खेत में बो दें।
★ 5–6 कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ बोयें तथा बीज को जीवाणु खाद (राइजोबियम)/NPK जीवाणुखाद से उपचारित करें ।
★ कतार से कतार की दूरी 45 से.मी. व पौधे से पौधे की दूरी 20 से.मी. रखें ।
★ बुवाई के 30 दिन बाद पहली निराई करें ।
★ यह सुनिश्चित करें कि खेत में जल निकास का उचित प्रबन्ध हो।

## सब्जी उत्पादन :–

❖ अप्रैल माह में मूली (पूसा चेतकी, समर अर्ली,) भिन्डी (पूसा ए.4, पूसा सावनी, परभनी क्रान्ति) लोबिया (पूसा कोमल, पूसा सुकोमल) पालक (आल ग्रीन). बेबी कॉर्न (एम.एच.4,गोल्डन बेबी), कद्दू कुल की सभी सब्जियों की बुवाई का कार्य पूरा कर लें ।

❖ पौधशाला में पौध को तेज धूप, हवा (लूँ) एवं वर्षा आदि से बचाव हेतु क्यारियों के ऊपर छप्पर या नेट की व्यवस्था करें ।

❖ तैयार सब्जियों को हरी एवं मुलायम अवस्था में तोड़कर ग्रेडिंग व पैकिंग करके बिक्री हेतु मण्डी भेजने की उचित व्यवस्था करें।

❖ जिन सब्जियों (भिन्डी, टमाटर, बैंगन, मिर्च) में फूल एवं फल झड़ने की समस्या हो तो 3–5 मि.ली. प्लेनोफिक्स प्रति 10–15 ली. पानी में घोलकर 7–10 दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करें ।

❖ जून माह में वर्षा कालीन भिन्डी, लोबिया, ग्वार, सेम, बेबीकार्न, पालक, मूली तथा कद्दू कुल की सभी सब्जियों की बुवाई कर दें ।

❖ बैंगन, टमाटर, मिर्च, अगेती फूल गोभी, गेंदा की पौध तैयार करने के लिए नर्सरी में बीजों की बुवाई कर दें।

संरक्षक - डा. आर. एन. पडारिया सम्पादक : डा. अनामिका शर्मा सम्पादन एवं प्रकाशन : डा. गौरव पपनैं

## बागवानी

- फलों के नये बाग को गर्मी से बचाने व पानी की बचत के लिए थाँवलों की मल्चिंग घास फूस / सरसों की तूड़ी / गोबर की खाद से करें व अधिक गर्मी पड़ने पर 3 दिन के अन्तराल पर दोपहर 2 बजे के बाद सिंचाई करते रहें।
- बेर के फलों की तुड़ाई करने के उपरान्त पेड़ों की शाखाओं की कम से कम 60 प्रतिशत कटाई–छंटाई अवश्य करें ।
- अप्रैल माह में पपीते की बौनी किस्म पूसा नन्हा या पुणे सेलेक्सन 5 को पॉलीथीन (4''×6'') में एक भाग मिट्टी, एक भाग केन्चुएँ की खाद व करीब 5–10 ग्रा. नीम की खली मिलाकर व भर कर करीब 1'' की गहराई में बो कर ग्रीन हाऊस में रखकर रोज हल्की सिंचाई करते रहें जब पौध एक महीने की हो जाए तो उसे मुख्य खेत में 2.0 मीटर की दूरी पर गढ़डे बनाकर व उसमें करीब 20 किलो केन्चुए की खाद व 100 ग्राम नीम की खली व 500 ग्रा. राख मिलाकर दोपहर बाद रोपाई करके सिंचाई कर दें।
- नये बाग लगाने के लिए जून महीने में ही खेत की तैयारी, खेत समतल करना, निशान लगाना, गढ़ढे खोदना व उसमें खाद आदि भरना शुरू कर दें ताकि जुलाई में प्रथम वर्षा के साथ ही पौधों की रोपाई की जा सके।

- अप्रैल में नये व पुराने बागों में उचित खादों की मात्रा को थाँवलों में अवश्य मिलाकर व फिर सिंचाई कर दें।

| | | |
|---|---|---|
| गोबर की सड़ी खाद | : | 30 किलो |
| केन्चुए की खाद | : | 10 किलो |
| नीम की खली | : | 1 किलो |
| राख | : | 1 किलो |

## फसल सुरक्षा

- ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई उपचारित बीजों से ही करें। बीज उपचार हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्लू.पी. या थीरम, कैप्टान 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से प्रयोग करें।

- टमाटर, मिर्च तथा बेल वाली सब्जियों में चेंपा कीट पत्तियों से रस चूसते रहते हैं जिनकी रोकथाम हेतु कीटनाशी इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. या मैलाथियॉन 50 ई.सी. 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसलों पर छिड़काव करें।
- जिन फसलों में सफेद गिड़ार (व्हाइट ग्रब) तथा कटुआ कीट पौधों की जड़ों को काटकर क्षति पहुँचाते हैं उनकी रोकथाम हेतु क्लोरोपाइरीफॉस 20 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति एकड़ फसल के लिए सिंचाई के साथ इस्तेमाल करें ।
- कद्दू वर्गीय सब्जियों – लौकी तोरई, टिण्डा, ककड़ी, खीरा, खरबूज इत्यादि फसलों में कद्दू का लाल कीड़ा (रैड पम्पकिन बीटल) का संक्रमण होने पर मैलाथियान 50 ई.सी. 2 मि. ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर छिड़काव करें।
- अनाजों के सुरक्षित भण्डारण हेतु, भण्डारण पूर्व अनाजों को अच्छी तरह धूप में सुखा लें, अनाज भण्डारण के लिए कीट रहित पात्रों, कुंठलों, टंकियों, तथा बोरियों का प्रयोग करें। अनाज भरने से पहले इन्हें भी 3 से 5 दिन तक धूप में सुखा कर अनाज भरने हेतु इस्तेमाल करें।

## पशुपालन

- पशुघर की छत यदि टीन से बनी हो तो उसके ऊपर ज्वार, बाजरा या सरकंडे के पूले बिछा दें ताकि अन्दर घर ठंडा रहे। छत 10 फीट से ऊँची रखें।

- पशुओं को दिन में कम से कम तीन बार ताजा पानी पिलाएं।
- पशुघर का फर्श आरामदायक रखें, अधिक गर्मी होने पर उस पर पानी का छिड़काव करें।
- पशुघर की लम्बाई पूर्व पश्चिम दिशा में रखें तथा आस पास छायादार पेड़ लगाएं।
- भूसे व दाने को खिलाने से पहले उसे 1–2 घंटे भिगोकर रखें तथा पतली सानी के रूप में दाने को खिलाएं।
- हरा चारा 20–30 किलोग्राम प्रति पशु प्रति दिन अवश्य दें। बरसीम एवं रिजका का हरा चारा उपलब्ध होता है आगे के लिए खरीफ के चारे जैसे चरी, मक्का, लोबिया, बाजरी, अप्रैल के महीने में खेतों में बो दें।
- गर्मी में पसीने द्वारा कुछ तत्व शरीर से बाहर निकलते हैं उनकी पूर्ति के लिए खनिज मिश्रण 50 ग्राम प्रति पशु दाने में मिलाकर खिलाएं।
- छोटे कटड़े कटड़ियों में पेट के कीड़े निकालने की दवा जैसे एलबेन्डाजोल, पिपराजीन या बेनमिंथ पशु चिकित्सक की सलाह से अवश्य दिलवायें।
- गर्मियों में पशुओं की शरीर पर जूँ, चिचड़ कलीली आदि परजीवी हो जाते हैं। इनसे छुटकारे के लिए ब्यूटोक्स नामक कीट नाशी की 2 मिली लीटर दवा प्रति 10 लीटर पानी में घोल बनाकर पशुओं को नहलाएं।

## कृषक प्रशिक्षण:

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा दिनाँक 9 से 12 जनवरी, 2023 को सब्जियों एवं फलों का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन, दिनाँक 3 जनवरी, 2023 को सरसों में एकीकृत फसल प्रबंधन, दिनाँक 5 जनवरी, 2023 को जैविक खाद उत्पादन, 17 जनवरी, 2023 को पोषण एवं मानव शरीर में उसका महत्व एवं उनके भोजन श्रोतय दिनाँक 23 से 27, जनवरी 2023 को भोजन पकाते एवं प्रसंस्करण के दौरान पोषक तत्वों के क्षरण को कम करना, दिनाँक 8 से 10 मार्च, 2023 को टमाटर में एकीकृत कीट प्रबंधन, दिनाँक तथा दिनाँक 13 से 16 मार्च, 2023 को जैविक खेती एवं वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने की विधि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । उक्त प्रशिक्षणों में कुल 167 कृषक एवं महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया ।

- **सेवारत अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम :** कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा दिनाँक 2 मार्च, 2023 को आगनवाडी कार्यकर्ताओं हेतु किशोरियों में अनीमिया का उन्मूलन तथा कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु दिनाँक 17 एवं 20 मार्च, 2023 को कद्दू वर्गीय फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षणों में कुल 36 प्रसार कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

## कृषि विस्तार गतिविधियां :

- **सरसों पर प्रक्षेत्र दिवस :** केवीके, गुरुग्राम ने गुरुग्राम जिले के त्रिपरी गांव में दिनाँक 2 मार्च, 2023 को सरसों पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान केवीके के विशेषज्ञों द्वारा सरसों की प्रदर्शित प्रजाति RH–725 का अवलोकन किया गया और प्रतिभागी किसानों को उक्त प्रजाति की विशेषताओं के बारे में भी बताया गया । कार्यक्रम में 36 किसानों ने प्रतिभाग किया।
- **चना पर प्रक्षेत्र दिवस :** दिनाँक 21 मार्च 2023 को केवीके, गुरुग्राम ने पलरा गांव में चना पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान केवीके के विशेषज्ञों द्वारा चना की प्रदर्शित प्रजाति CSJ–515 का अवलोकन किया गया और प्रतिभागी किसानों को उक्त प्रजाति की विशेषताओं के बारे में बताया। उक्त कार्यक्रम में 22 किसानों ने प्रतिभाग किया।
- **कदन्न फसलों पर क्षमता विकास कार्यक्रम :** कृषि विज्ञान केंद्र ने एपीडा के वित्तीय सहयोग से दिनाँक 13 फरवरी, 2023 को "निर्यात हेतु कदन्न फसलों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण" विषय पर एक दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न कदन्न फसलों के उत्पादन एवं प्रसंस्कृत उत्पादों के बारे में किसानो से चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में कुल 84 कृषक एवं महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया।
- **किसान सम्मान निधि योजना पर जागरूकता कार्यक्रम :** दिनाँक 27 फरवरी, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र में किसान सम्मान निधि योजना पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का किसानो को संबोधन का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. जे. पी. मिश्रा, निदेशक, अटारी जोन–2, जोधपुर रहे द्य इस कार्यक्रम में कुल 154 कृषक एवं महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया।
- **प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम :** कृषि विज्ञान केंद्र ने 24 से 25 जनवरी 2023 को प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। केवीके के विशेषज्ञों द्वारा जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र आदि को बनाने की विधियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया और प्रतिभागियों को विधि प्रदर्शन के माध्यम से बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इन कार्यक्रमों में कुल 71 कृषक एवं महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया।

● **प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम :** प्राकृतिक खेती पर गुरुग्राम जिले के विभिन्न गाँवों में कुल 10 जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। केवीके के विशेषज्ञों द्वारा जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मस्त्र आदि को बनाने की विधियों के बारे में जागरूकता प्रदान की। इन कार्यक्रमों में कुल 432 कृषक, महिला कृषकों एवं स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

## निदेशक, अटारी जोन–2, जोधपुर, डॉ. जे. पी. मिश्रा का केवीके शिकोहपुर में भ्रमण

आप सभी किसान भाइयों को सूचित करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि डॉ. जे. पी. मिश्रा ने भाकृअनुप– कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान, जोधपुर में निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया है। डॉ. जे. पी. मिश्रा ने दिनाँक 27 फरवरी, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, शिकोहपुर, का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर उपस्थित विभिन्न इकाइयों जैसे बीज उत्पादन, सब्जी उत्पादन, आदर्श पोषक वाटिका, पशुपालन, प्राकर्तिक खेती इत्यादि का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर किसानो के हित लिए विभिन्न सुझाव दिए। डॉ. जे. पी. मिश्रा ने दिनाँक 27 फरवरी, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, शिकोहपुर में आयोजित किसान सम्मान निधि योजना पर जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में किसानों को संबोधित भी किया। उक्त कार्यक्रम में कुल 154 कृषक एवं महिला कृषकों ने प्रतिभाग किया। डॉ. जे. पी. मिश्रा ने केंद्र के कार्यों की गतिविधियाँ देखते हुए केंद्र की अध्यक्ष डॉ. अनामिका शर्मा एवं सभी अधिकारियों की प्रशंशा की। उनके अनुभवों, मार्गदर्शन एवं सुझावों से कृषि विज्ञान केंद्र, शिकोहपुर, गुरुग्राम किसानों की सेवा में और ज्यादा तत्परता से काम करेगा।

## इस तिमाही में आयोजित होने वाले प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कृषि प्रसार गतिविधियाँ

| क्र. | प्रशिक्षण / गतिविधि का नाम | महीना | स्थान |
|---|---|---|---|
| अ. | **व्यवसायिक प्रशिक्षण** | | |
| | 1. ड्रेस डिजाइनिंग एवं टेलरिंग | मई,जून | गाँव में |
| | | | |
| ब. | **कृषि विकास अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण** | | |
| | 1. समन्वित कीट प्रबन्धन | मई | के.वी.के |
| | 2. खरीफ फसलों में | जून | के.वी.के. |
| स. | **अभियान एवं दिवस** | | |
| | 1. मृदा एवं जल परीक्षण अभियान | मई | गाँवों में |
| | 2. बीज उपचार अभियान | मइ,जून | गाँवों में |
| | 3. मूंग खेत दिवस | जून | गाँवों में |

## तकनीकी सलाह हेतु सम्पर्क करें :–

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. डॉ. अनामिका शर्मा | – | अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी) | मो. 08787450859 |
| 2. श्री भरत सिंह | – | विशेषज्ञ (फसल सुरक्षा, मधुमक्खी पालन) | मो. 09250335820 |
| 3. डॉ. कविता बिष्ट | – | विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) | मो. 09582285816 |
| 4. श्री रामसेवक | – | सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (सस्य विज्ञान) | मो. 09873093881 |
| 5. श्री बी.एल. मीणा | – | विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) | मो. 07340205105 |
| 6. डा. गौरव पपनैं | – | विशेषज्ञ (कृषि प्रसार) | मो. 09412120840 |
| 7. डॉ. मनजीत कुमार | – | विशेषज्ञ (मौसम विभाग) | मो. 09485684771 |
| 8. श्री एल.एन. यादव | – | फार्म प्रबन्धक | मो. 09818256744 |
| 9. श्री बिजेन्द्र | – | प्रशासन | मो. 09311040411 |

**कृषि विज्ञान प्रत्रिका की प्रति प्राप्त करने या इससे सम्बन्धित पत्र व्यवहार के लिए निम्न पते पर लिखें या सम्पर्क करें।**

**संपादक एवं अध्यक्ष**
**कृषि विज्ञान केन्द्र (भा.कृ.अनु.सं.)**
**शिकोहपुर, गुरुग्राम–122004**
**(हरियाणा)**

आवश्यक सूचना : किसान भाईयों से अनुरोध है कि इस पत्रिका के माध्यम से दी जा रही जानकारी के बारे में अपने विचार सुझाव अवश्य भेजें

बुक पोस्ट

सेवा में, _____

प्रेषक :
कार्यक्रम समन्वयक
कृषि विज्ञान केन्द्र (भा.कृ.अनु.सं.)
शिकोहपुर, गुरुग्राम–122004 (हरियाणा)
दूरभाष : 0124–2019067
ईमेल : head_kvkggn@iari.res.in

कृषि विज्ञान केन्द्र (भा.कृ.अनु.सं.) शिकोहपुर, गुरुग्राम–122004 (हरियाणा) के लिए प्रकाशित एवं विक्टर प्रिंटिंग प्रैस, गुड़गांव (फोन : 0124–4077179) द्वारा मुद्रित